ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 02-07-2024

नालंदा(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-07-02 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-07-03	2024-07-04	2024-07-05	2024-07-06	2024-07-07
वर्षा (मिमी)	55.0	35.0	35.0	25.0	20.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	33.0	32.0	32.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	24.0	24.0	23.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	90	95	95	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	40	40	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	14	14	12	12	14
पवन दिशा (डिग्री)	200	200	190	190	220
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

• भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार जिले में दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय रहने का अनुमान है जिसके प्रभाव से 03-07 जुलाई के मध्य जिले में बादल छाए रहने एवं अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने का अनुमान है। हालाँकि कुछ स्थानों पर भारी वर्षा भी हो सकती है। • अधिकतम तापमान 31-34 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 22-25 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है। • सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है। • पूर्वानुमान की अवधि में 10-12 किमी/घंटा की रफ्तार से दक्षिण-पछिया हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

आगामी दिनों में वर्षा की संभावना के मध्यनजर खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें। कीटनाशक एवं खाद का प्रयोग आसमान साफ रहने पर ही करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आकाशीय बिजली से सुरक्षा हेतु "दामिनी" मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की अच्छी संभावना को देखते हुए खेतों में मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें। धान की बीजस्थली में जो बिचड़े 10 से 15 दिनो के हो गये हो, खर-पतवार निकाल कर तथा प्रति एक हजार वर्ग मीटर बीजस्थली के लिए 5 किलो अमोनियम सल्फेट अथवा 2 किलो यूरिया का उपरिवेशन करें। इस अवधि में अच्छी बर्षा की संभावना को देखते हुए धान की रोपनी में प्राथमिकता दें। वर्षा जल का उपयोग कर रोपनी के कार्य में प्राथमिकता दें। रोपाई पूर्व खेतों की तैयारी के समय कद्दा के दौरान मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए 30 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर एवं 30

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	किलोग्राम पोटाश तथा अगात किस्मों के लिए 25 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश के साथ 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट या 15 किलोग्राम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें। धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के 2-3 दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (3 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (1.5 लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (3 लीटर दवा प्रति हेक्टर) का 500-600 लीटर पानी मे घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी आसमान साफ रहने पर करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो स्फुर, 20 किलो पोटाश तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय-13, राजेन्द्र अरहर-1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुशंसित है

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लौकी	खरीफ मौसम की सब्जियाँ जैसे-कद्दू, नेनुआ, झींगली, खीरा की बुवाई कर आसमान साफ रहने पर कर सकते है । इसके लिए मिट्टी परिक्षण के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें। मिट्टी परिक्षण न होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर 20-25 टन सड़ा हुआ गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्रति हेक्टेयर 60 किलो ग्राम नेत्रजन, 50 किलो ग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलो ग्राम स्फूर का उपयोग करें। फसल 3 मी0X1 मी0 की दूरी पर लगायें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के लिए पूरा दूध निकालें और दूध दोहन के बाद थनों को कीटाणुनाशक घोल से धोयें। एम० डी० रोग से ग्रसित पशुओं के मुँह-खरों एवं थन को पोटाशियम परमेंगनेट की 1 % घोल से साफ करें। 6 माह से छोटे पशुओं में एवं गर्भवती पशुओं में टीकाकरण नहीं करवाएं	नवजात बछड़े एव बछड़ियों को अन्तः परजीवी नाशक दवा नियमित रूप से देना चाहिए।